दैनिक जागरण - 14-3-13.

अगले साल भी घटेगा चीनी का उत्पादन: शरद पवार

महंगी हुई मिठास

- अगले वित्त वर्ष में चीनी उत्पादन 240 लाख टन रह सकता है
- सूखे से महाराष्ट्र में गन्ने की बुआई प्रभावित

नई दिल्ली, प्रेट्र : अक्टूबर, 2013 से शुरू होने वाले अगले गन्ना सत्र में देश के कुल चीनी उत्पादन में और कमी आएगी। कृषि मंत्री शरद पवार ने आशंका जताई है कि अगले वित्त वर्ष में चीनी उत्पादन 240 लाख टन रह सकता है। इसका असर चीनी के दामों पर भी नजर आ सकता है। चालू गन्ना सत्र में उत्पादन 245 से 250 लाख टन रहने का अनुमान है। पिछले सत्र 2011-12 (अक्टूबर-सितंबर) में चीनी उत्पादन 260 लाख टन रहा था।

महाराष्ट्र में गन्ने की कम पैदावार के चलते कृषि मंत्री ने यह आशंका जताई है। पवार ने कहा कि देश में गन्ने की सबसे ज्यादा पैदावार वाले महाराष्ट्र में इस बार अभी तक गन्ने की बुआई शुरू नहीं हुई है। लगातार दूसरे साल कमजोर बारिश के कारण बुआई में देरी हुई है। पेयजल के लिए पानी बचाने के राज्य सरकार के फैसले से स्थिति और गंभीर हुई है, क्योंकि इससे फसलों के लिए पानी का संकट रह सकता है।

चालू सत्र में महाराष्ट्र और कर्नाटक को छोड़कर देश के अन्य इलाकों में चीनी उत्पादन की स्थिति ठीक है। महाराष्ट्र में गन्ने की बड़ी मात्रा चारे में तब्दील होने के कारण चीनी उत्पादन पर असर पड़ा है, जबकि उत्तर प्रदेश में स्थिति बेहतर है। हाल ही में खाद्य मंत्री केवी थॉमस ने उत्तर प्रदेश में बेहतर पैदावार के चलते इस साल चीनी उत्पादन बढ़कर 250 लाख टन रहने का अनुमान जताया था। इससे पहले यह अनुमान 245 लाख टन का था। चालू सत्र के शुरुआती पांच माह में मिलों में 188 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ है, जबकि करीब 50 फीसद चीनी मिलों में उत्पादन बंद है।